INSTITUTE LIBRARY, RIE, AJMER
NEWS CLIPPING SERVICES

दैनिक नवज्योति, 8 जुलाई 2020

सीबीएसई ने बच्चों को दी राहत, 30 फीसदी कटौती

9वीं से 12वीं क्लास का सिलेबस किया कम

ब्यूरो/नवज्योति/नई दिल्ली

देश में फैल रहे कोरोना संक्रमण के बीच सीबीएसई ने बच्चों को राहत प्रदान की है। सीबीएसई अकेडमिक ईयर 2020-2021 के लिए स्कूल के सिलेबस को 30 फीसदी कम कर दिया गया है।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने खुद से इस बात की जानकारी दी है। निशंक ने ट्वीट में लिखा कि देश और दुनिया में पनपे हालात के मद्देनजर सीबीएसई को पाठ्यक्रम को संशोधित करने और कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों के लिए कोर्स के दबाव को कम करने की सलाह दी गई थी।

सीआईएससीई बोर्ड ने भी सिलेबस घटाया

सीआईएससीई बोर्ड ने 2020-21 सत्र के लिए 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं के सिलेबस को कम करने का फैसला किया है। बोर्ड ने नए सिलेबस की जानकारी cisce.org पर दी है। बोर्ड ने स्कूलों को कहा है कि इसी सिलेबस के हिसाब से छात्रों को पढ़ाया जाए।

स्कूल बंद, पढ़ नहीं पा रहे छात्र

कोरोनावायरस महामारी के चलते देशभर के सभी स्कूल मार्च के महीने से बंद हैं। वहीं बच्चों की पढ़ाई ढंग से नहीं हो पा रही है, जिसकी वजह से बोर्ड ने यह फैसला किया है। हालांकि ऑनलाइन क्लासेस चल रही हैं, लेकिन उससे संभवतः उतनी पढ़ाई नहीं हो पा रही जितनी शायद सिलेबस को पूरा करने लिए होनी चाहिए।

अभिभावकों को बड़ी राहत

अब निजी स्कूल खुलने के बाद ही ले सकेंगे फीस

पहले सरकार ने 30 जून तक तीन माह की फीस की थी स्थगित, अब बढ़ाया

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। प्रदेशभर के निजी स्कूलों की मनमानी पर राज्य सरकार ने एक बार फिर से लगाम लगाई है। सरकार ने इन स्कूलों को खुलने के बाद ही फीस लेने के निर्देश दिए है। इससे पहले सरकार ने कोरोना काल को ध्यान में रखते हुए अप्रैल, मई और जून माह की फीस पर रोक लगाई थी, लेकिन जैसे ही जून माह पूरा हुआ और जुलाई माह में प्रदेश के प्राइवेट स्कूलों ने अभिभावकों पर फीस लेने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया है। ऐसे में ■ शेष पेज-9

आदेश नहीं मानने पर होगी कार्रवाई

शिक्षामंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि कोरोना काल में निजी विद्यालयों को 30 जून ■ शेष पेज-9

आज जारी होगा राजस्थान बोर्ड 12वीं विज्ञान का परिणाम

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष-2020 की सीनियर सैकेण्डरी विज्ञान वर्ग का परीक्षा परिणाम बुधवार को सायं 4 बजे घोषित किया जाएगा। यह परीक्षा परिणाम शिक्षा राज्यमंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा बोर्ड परिसर स्थित कॉन्फ्रेन्स हॉल में घोषित करेंगे। विज्ञान वर्ग में इस वर्ष 2 लाख 39 हजार 800 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे। बोर्ड का यह ■ शेष पेज-9

उच्च शिक्षा की परीक्षाएं फिलहाल रहेंगी रद्द, सरकार फिर से कर रही विचार

मुख्यमंत्री स्तर पर होगा अंतिम निर्णय, केन्द्र सरकार और यूजीसी की गाइडलाइन का उच्च शिक्षा विभाग करेगा अध्ययन

शिक्षाविदों से भी लेंगे राय छात्रों में असमंजस्य

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। प्रदेश सरकार ने तीन दिन पहले प्रदेश के करीब 40 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को एक बड़ी राहत देते हुए उच्च शिक्षा की परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला लिया। इसके दो दिन बाद ही केन्द्र सरकार के आदेश के बाद यूजीसी ने परीक्षा ■ शेष पेज-9

लगातार बढ़ रहा कोरोना का संकट

भाटी ने कहा की कोरोना का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है और यूजीसी व केन्द्र सरकार को पत्र लिखकर ये बताया जाएगा की राजस्थान में विद्यार्थियों को प्रमोट करने का फैसला क्यूं लिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री स्तर पर भी वार्ता करने के बाद ही परीक्षाओं को लेकर स्थिति को स्पष्ट किया जाएगा। अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा।

31 जुलाई तक स्कूल में नहीं बुलाएं शिक्षक

एचआरडी मंत्रालय का आदेश

कासं/अजमेर। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव ने सभी प्रदेश के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर 31 जुलाई तक शिक्षण स्टाफ को स्कूल नहीं बुलाने के निर्देश दिए है। स्टाफ को 31 जुलाई तक घर से ही काम कराने को कहा गया है। मंत्रालय के इस आदेश से निजी स्कूलों की परेशानी बढ़ सकती है। एचआरडी सचिव अनीता करवल ने सभी प्रदेश सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि देश में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 31 जुलाई तक शिक्षण संस्थानों में बच्चों को बुलाने पर रोक लगाई जा चुकी है। ऐसे में कई शिक्षण संस्थानों द्वारा शिक्षक स्टाफ को स्कूल बुलाकर ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। अब 31 जुलाई तक स्कूलों के सभी स्टाफ को स्कूल पर नहीं बुलाया जाए। उल्लेखनीय है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षक जा तो रहे हैं, लेकिन कोई काम नहीं है। जबकि निजी स्कूलों में वे ऑनलाइन कक्षाओं को चला रहे हैं।